

प्रेमक,

अनूप वधावन,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,
हरिद्वार।

राहरी विकास अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 31 जनवरी, 2010

विषय: कुण मेला, 2010 की व्यवस्थाओं के अन्तर्गत कुण मेला क्षेत्र के प्रवेश मार्गों पर स्वागत द्वार एवं होर्डिंग्स लगाये जाने सम्बन्धी कार्य हेतु प्रशासकीय, वित्तीय तथा व्यय की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 3573/कु.मे./म.म.वि.नि. देहरादून, दिनांक 20.12.2009 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल प्रबन्ध निदेशक गढ़वाल भण्डाल विकास निगम, देहरादून द्वारा उक्त कार्य हेतु प्रस्तुत आगमन रु. 151.38 लाख के तकनीकी परीक्षणोंपरान्त संपन्न क. 142.82 लाख (रु. एक करोड़ ब्यालीस लाख ब्यान्नहें हजार मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति देते हुए उक्त धनराशि की वित्तीय वर्ष 2008-10 में व्यय किए जाने की निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. प्रस्तावित कार्यों में मदवार इंगित दरों का आधार औचित्यपूर्ण एवं पुष्ट हो यह सुनिश्चित किया जाय।
2. उक्त कार्यों को इसी धनराशि से पूर्ण किया जाएगा एवं आगमन का पुनरीक्षण किसी दशा में नहीं किया जाएगा। यह भी सुनिश्चित कर लिया जाएगा कि यह कार्य कुण मेला, 2010 के लिए निर्धारित प्राथमिकता में है।
3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का वास्तविक आवश्यकतानुसार किशतों में आहरण किया जाएगा और पूर्ण आहरित धनराशि के पूर्ण उपयोग के बाद ही अगली किशत का कोषगार से आहरण किया जाएगा।
4. योजनान्तर्गत प्रस्तावित कार्यों का निकटता से पर्यवेक्षण किया जाय। इसके लिए निगरानी समिति का गठन कर लिया जाए।
5. कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राथमिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी।
6. कार्य पर उत्तरा ही व्यय किया जाए, जितनी राशि स्वीकृत की गई है।
7. एकमुस्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व, विस्तृत आगमन गठित कर सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाए।
8. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
9. निर्माण कार्य एवं इस हेतु सामग्री क्रय करने हेतु यानकों एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 तथा उसके क्रम में समय-समय पर निर्गत दिशा निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जाए।
10. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए।
11. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूमिभवेत्ता से कार्यस्थल का बली भूमि निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए तथा निरीक्षण के पश्चात दिए गये निर्देशों के अनुसार कार्य कराया जाए।
12. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व शासनादेश संख्या 475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15 दिसम्बर, 2008 की व्यवस्थानुसार निर्धारित प्रारूप पर अनुबन्ध निष्पादन की कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जाएगी।

13. कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं मेलाधिकारी पूर्णतया उत्तरदायी होंगे।
 14. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2010 तक उपयोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जाएगा।
 15. कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ़ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदित कराना आवश्यक होगा।
 16. यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि उक्त पूर्ण कार्य या इसके कोई भाग के विषय में यदि कोई धनराशि अन्य विभागीय बजट से स्वीकृत की गई हो तो उसे इस योजना के प्रति नुक करके उस धनराशि को शासन को समर्पित कर दिया जाएगा।
 17. मुख्य सचिव महोदय, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV/219/2006 दिनांक 30 मई, 2008 के द्वारा निर्गत आदेशों वगैरे कार्य कराने समय अथवा आगमन गठित करते समय कड़ाई से पालन किया जाए।
 18. उक्त धनराशि का आहरण मेलाधिकारी, हरिद्वार के आहरण वितरण कोड से किया जाएगा।
- 2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय शासनादेश संख्या-1614/IV(1)/2009- 39(साम0)/2006- टी0बी0 दिनांक 24.11.2009 के द्वारा मेलाधिकारी, हरिद्वार के नियर्तन पर रखी गयी धनराशि सं0 100.00 करोड़ के सापेक्ष किया जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त विभाग के अशा.सं. 882/XXVII(2)/2009 दिनांक 08 जनवरी 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अनूप कथावन)
प्रमुख सचिव।

संख्या : 1236 (1)/IV(1)/2009 तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

1. निजी सचिव, भा. मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मा. शहरी विकास मंत्री जी, उत्तराखण्ड।
3. महालेखाकार (लेखा एवं इकदारी प्रथम), उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. महालेखाकार (ऑडिट), उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. स्टाफ़ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
7. जिलाधिकारी, हरिद्वार/देहरादून।
8. यरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
9. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
10. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करें।
11. प्रबन्ध निदेशक, गढ़वाल मण्डल विकास निगम, देहरादून।
12. गार्ड फ़ाइल।

आज्ञा से,

(अनूप कथावन)
प्रमुख सचिव।